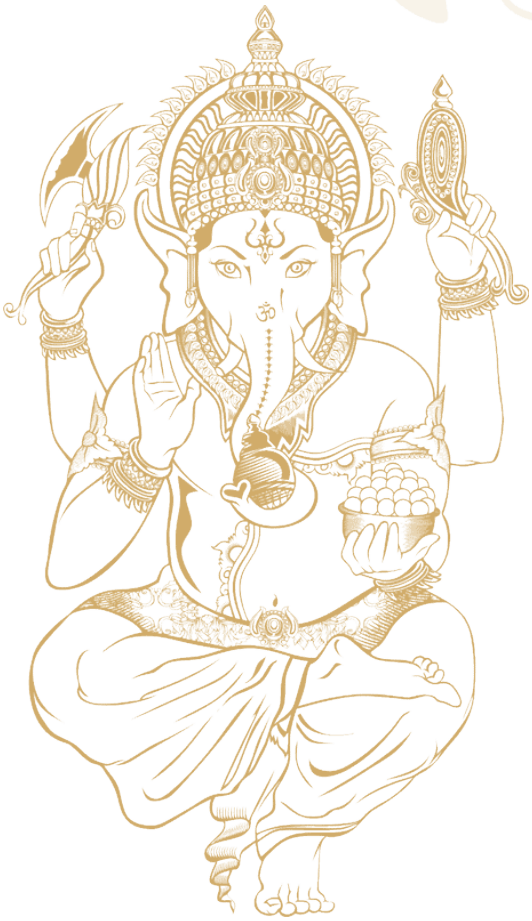

Uma Tiwari

Ms.

Model: Love-Horoscope

Order No: 119993501

Model: Love-Horoscope

Order No: 119993501 Date: 03/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13-14/03/1984	जन्म तिथि	3-04/11/2025
मंगल-बुधवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 06:00:00	जन्म समय	02:27:00 घंटे
घटी 59:29:40	जन्म समय(घटी)	50:58:49 घटी
India	देश	India
Jagdalpur	स्थान	Delhi
19:04:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
82:02:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:01:52	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:12:08	सूर्योदय	06:34:53
18:10:50	सूर्यास्त	17:34:22
23:37:55	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:08

कुम्भ	लग्न	सिंह
शनि	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
कर्क	राशि	मीन
चन्द्र	राशि-स्वामी	गुरु
पुष्य	नक्षत्र	रेवती
शनि	नक्षत्र स्वामी	बुध
3	चरण	3
अतिगण्ड	योग	वज्र
विष्टि	करण	गर
हो-होशियार	जन्म नामाक्षर	चा-चांदनी
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
विप्र	वर्ण	विप्र
जलचर	वश्य	जलचर
मेष	योनि	गज
देव	गण	देव
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मेष	वर्ग	सिंह

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 6वर्ष 9मा 7दि		25:18:19	कुंभ	लग्न	सिंह	22:26:15	बुध 8वर्ष 0मा 21दि	
शुक्र		29:59:23	कुंभ	सूर्य	तुला	17:28:40	बुध	
21/12/2014		11:54:57	कर्क	चंद्र	मीन	23:40:45	04/11/2025	
21/12/2034		01:54:51	वृश्चि	मंगल	वृश्चि	05:18:07	25/11/2033	
शुक्र	21/04/2018	05:03:06	मीन	बुध	वृश्चि	10:27:18		00/00/0000
सूर्य	21/04/2019	16:05:43	धनु	गुरु	कर्क	00:49:58		00/00/0000
चन्द्र	20/12/2020	05:44:49	कुंभ	शुक्र	तुला	01:56:17		00/00/0000
मंगल	19/02/2022	22:27:48	तुला व	शनि व	मीन	01:27:11		00/00/0000
राहु	19/02/2025	16:22:43	वृष व	राहु व	कुंभ	22:45:13		04/11/2025
गुरु	21/10/2027	16:22:43	वृश्चि व	केतु व	सिंह	22:45:13	मंगल	24/05/2026
शनि	21/12/2030	19:55:27	वृश्चि	हर्ष व	वृष	05:56:54	राहु	10/12/2028
बुध	20/10/2033	07:41:06	धनु	नेप व	मीन	05:31:02	गुरु	18/03/2031
केतु	21/12/2034	08:04:54	तुला व	प्लूटो	मक	07:15:04	शनि	25/11/2033

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:37:55 चित्रपक्षीय अयनांश 24:13:08

लग्न-चलित

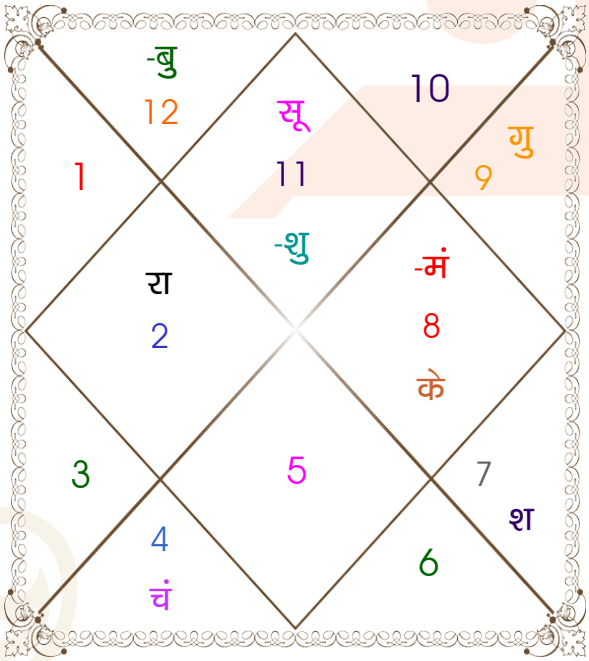

लग्न-चलित

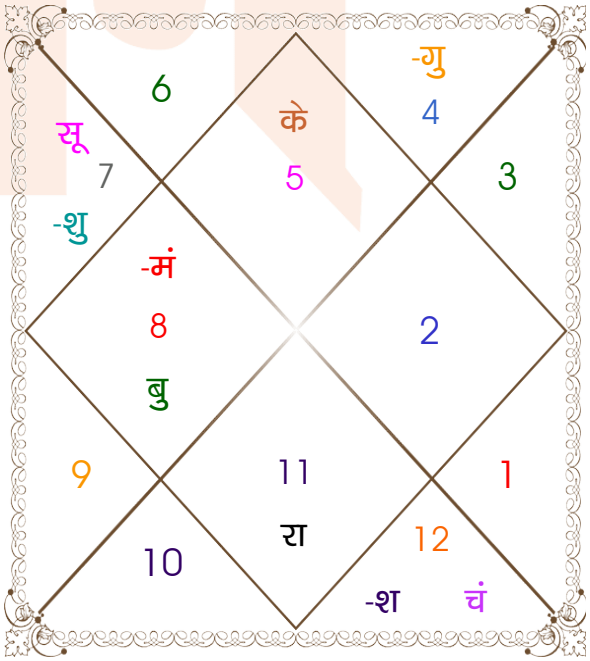

Jagdamba jyotish Shastra
Raisen Madhya Pradesh
8966824230
raju888mehra@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	गुरु	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

कुल : **27 / 36**

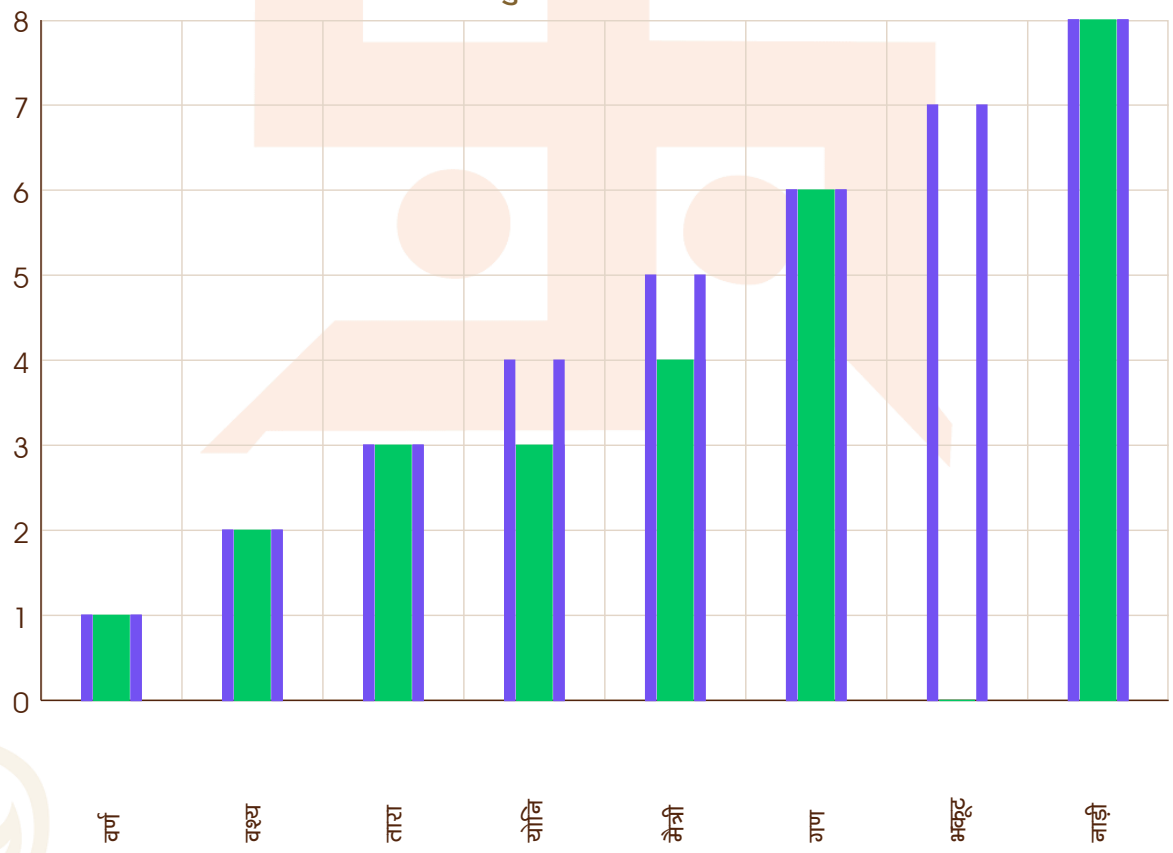

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

न्उं ज्पूंतप का वर्ग मेष है तथा Ms. का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार न्उं ज्पूंतप और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

न्उं ज्पूंतप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्थ;थ्डम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु न्उं ज्पूंतप कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

न्उं ज्पूंतप तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

न्ड्ं ज्पूंतप का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms. का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनों के गुण, स्वभाव, आदतें, पसन्द एवं नापसंद सभी एक-समान होंगी। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवं अनुकूल साबित होंगे तथा दोनों हमेशा सामाजिक, व्यावसायिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक-दूसरे की सहायता करेंगे।

वश्य

न्ड्ं ज्पूंतप का वश्य जलचर है एवं Ms. का वश्य भी जलचर है अर्थात दोनों का वश्य समान ही है। जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों की शारीरिक स्थिति, स्वभाव, पसंद एवं नापसंद एक ही तरह के होंगे। दोनों के बीच अगाध प्रेम एवं सौहार्द बना रहेगा तथा समान दृष्टिकोण, व्यवहार एवं आपसी समझ होने के कारण एक-दूसरे के साथ सुखी जीवन व्यतीत करेंगे। ऐसा प्रतीत होगा कि दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हुए हैं तथा एक-दूसरे के साथ का आनंद लेते रहेंगे। दोनों एक-दूसरे के कामों में मदद करते रहेंगे तथा परिवार की प्रगति एवं समृद्धि में महती योगदान देंगे।

तारा

न्ड्ं ज्पूंतप की तारा अतिमित्र तथा Ms. की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। न्ड्ं ज्पूंतप हमेशा Ms. के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

न्ड्ं ज्पूंतप की योनि मेष है तथा Ms. की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से

उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में न्ङं ज्पूंतप का राशि स्वामी Ms. के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Ms. का राशिस्वामी न्ङं ज्पूंतप के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

न्ङं ज्पूंतप का गण देव तथा Ms. का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

न्ङं ज्पूंतप से Ms. की राशि नवम भाव में स्थित है तथा Ms. से न्ङं ज्पूंतप की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। न्ङं ज्पूंतप की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

न्ङं ज्पूंतप की नाड़ी मध्य है तथा Ms. की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण न्ङं ज्पूंतप एवं Ms. के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

न्ङं ज्पूंतप की जन्म राशि जलतत्व युक्त कर्क राशि है तथा Ms. की राशि भी जलतत्व युक्त राशि मीन है। नैसर्गिक रूप से जलतत्व की जलतत्व से समानता एवं मित्रता होती है। अतः न्ङं ज्पूंतप और Ms. के मध्य स्वभावगत समानताएं विद्यमान होंगी जिससे परस्पर संबधों में मित्रता का भाव रहेगा। अतः मिलान उत्तम रहेगा।

न्ङं ज्पूंतप की जन्मराशि का स्वामी चन्द्रमा तथा Ms. की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर मित्र एवं समराशियों में स्थित है। वैवाहिक जीवन की सुख शांति एवं समृद्धि के लिए यह स्थिति अच्छी मानी जाती है। इसके प्रभाव से न्ङं ज्पूंतप और Ms. एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे परस्पर दाम्पत्य संबधों में मधुरता बनी रहेगी। साथ ही न्ङं ज्पूंतप और Ms. का परस्पर आकर्षण लगाव एवं सहानुभूति का भाव विद्यमान रहेगा एवं सम्मान जनक ढंग से एक दूसरे के प्रति समर्पण की भावना रहेगी।

न्ङं ज्पूंतप और Ms. की राशियां परस्पर नवम एवं पंचम भाव में पड़ती है यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से न्ङं ज्पूंतप और Ms. के मध्य अनावश्यक मतभेद एवं विरोध का भाव विद्यमान रहेगा। तथा यदा कदा अंहकार के भाव का भी प्रदर्शन करेंगे। इससे सुखी वैवाहिक जीवन में व्यवधान उत्पन्न होंगे। अतः न्ङं ज्पूंतप और Ms. को चाहिए कि उपरोक्त दुष्प्रभावों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करें तभी दाम्पत्य जीवन की समृद्धि एवं शांति में वृद्धि हो सकती है।

न्ङं ज्पूंतप और Ms. दोनों का वश्य जलचर है। अतः दोनों की अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी सामंजस्य बना रहेगा। अतः दाम्पत्य सुख में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करके शांति पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे ।

न्ङं ज्पूंतप और Ms. दोनों का वर्ण ब्राह्मण है। अतः दोनों की रूचि शैक्षणिक एवं धार्मिकता के प्रति रहेगी तथा उत्साह एवं इच्छापूर्वक अपने कार्यो को करने में तत्पर रहेंगे।

धन

न्ङं ज्पूंतप का जन्म अतिमित्र तथा Ms. का सम्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव से Ms. एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा Ms. के शुभ प्रभाव से उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर सम रहेगा। अतः स्वपरिश्रम से ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार न्ङं ज्पूंतप और Ms. आरामदायक जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

न्ङं ज्पूंतप और Ms. को लाटरी, सट्टे या अन्य स्रोतों से अनायास धन प्राप्ति की

संभावना होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक संसाधनों का वे उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

न्ङं ज्पूंतप की नाड़ी मध्य तथा Ms. की नाड़ी अन्त्य है अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्यतया स्वास्थ्य अनुकूल ही रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव से न्ङं ज्पूंतप का स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे वह रक्त तथा पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं हृदय रोग से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही दाम्पत्य जीवन में संभोग शक्ति की अल्पता का भी आभास होगा जिससे जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न होगी। अतः मंगल के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रहने के लिए न्ङं ज्पूंतप को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के व्रत भी करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से न्ङं ज्पूंतप और Ms. का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त न्ङं ज्पूंतप और Ms. के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से न्ङं ज्पूंतप और Ms. सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार न्ङं ज्पूंतप और Ms. का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Ms. अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं

होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Ms. पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Ms. अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

न्ड्ं ज्पूंतप तथा उनकी सास के संबधों में सामान्यतया मधुरता ही रहेगी। साथ ही आपस में किसी प्रकार के मतभेद या तनाव के भाव की न्यूनता रहेगी। वे अपनी सास के प्रति श्रद्धा तथा सम्मानजनक व्यवहार रखेंगे तथा उन्हें अपनी माता के समान ही आदर प्रदान करेंगे। साथ ही सपत्नीक वह समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में न्ड्ं ज्पूंतप के संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण दोनों के मध्य काफी वैचारिक विभिन्नता तथा अन्य मतभेद रहेंगे परन्तु यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का प्रदर्शन किया जाय तो इनमें न्यूनता आ सकती है। साथ ही साले एवं सालियों से न्ड्ं ज्पूंतप के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग, स्नेह तथा सहानुभूति प्राप्त होगी एवं परस्पर मित्रता का भाव रहेगा। इस प्रकार ससुराल के पक्ष का दृष्टिकोण न्ड्ं ज्पूंतप के प्रति उत्साहवर्द्धक नहीं रहेगा तथा सामंजस्य से ही इसमें अनुकूलता वनी रहेगी।

लग्न फल

Uma Tiwari

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्न के समय मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ राशि का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपके जन्मकालिक ज्यातिषीय आकृति से यह निर्दिष्ट हो रहा है कि यदि आप अपने जीवन में विश्वसनीयता बनाए रखें तब आप उत्तम मानवीय स्वाभावानुकूल जीवन, आनंददायक, धन, प्रसन्नता से युक्त समृद्धि प्राप्त कर सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से सर्वोतम प्रकार के नेता जो मानवीय विश्वसनीयता से युक्त अन्य लोगों के मददगार, आदर्श एवं उदार चरित्र के प्राणी के रूप में उभर कर समाज का प्रतिनिधित्व करेंगे।

आप उदारता हेतु समर्थ होकर धन संपत्ति का संचय कर सकेंगे। आप मात्र मेधावी ही नहीं हैं। आप सर्वथा धन बनाने के करतब और चालाकी के जानकार हैं। आपमें ऐसी सक्षमता है कि स्पष्ट रूप से धन संपन्न होने के सभी तथ्यों का अच्छी प्रकार मूल्यांकन कर लेते हैं। आप अपने अंतर्ज्ञान पूर्ण शक्ति को लाभ जनित उपयोग कर आप लाभदायक परिणाम प्राप्त कर सकते हो।

आप उत्तम प्रकार के गुणों से युक्त है। आप चाहें तो अच्छे प्रकार के कार्य व्यवसाय तथा पर्यटन कार्य, औषधि, पब्लिक कंपनी के कार्य, औषधि की दुकान या निर्माण कार्य वकालत पेशा, ज्योतिषीय कार्य, धर्म दर्शन के कार्य अथवा भाषा के कार्यादि कर सकते हैं।

आप सामान्यतया अच्छे मिलनसार व्यक्ति हैं। कभी-कभी आप सहजता पूर्वक आवरण में छिप जाते हैं तथा एकांत प्रियता को प्रस्तुत करते हैं। आप किसी अवसर पर सुरक्षित हो जाते हैं। तब आपके मित्र एवं व्यावसायिक सहयोगी को आपके साथ किसी प्रकार के व्यवहार में दिक्कतें उत्पन्न हो जाती है। आपके लिए आवश्यक है कि आप इस विशेषता को त्याग दें। परंतु आप सदैव वाचालिक प्रवृति से दूसरों को प्रभावित करते हैं तथा अपनी व्यंगात्मक विनोद प्रियता से लोगों के मन पर विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने मित्रों की बड़ी मंडली के साथ अच्छा संबंध रखते हैं। मात्र कुछ समय आपके कुछ मित्रगण गोल माल करते हैं तो उन्हें विश्वास नहीं करने योग्य समझ कर उसे बाहर निकाल कर बहिष्कृत कर देते हैं।

आप किसी के भी पीछे की आधार स्तंभ का सर्वप्रथम अध्ययन कर गोल माल नहीं करने वाला समझ कर अपने से निकटता का संबंध स्थापित कर लेते हैं।

आप विपरीत योनि के प्रति संभोगात्मक प्रवति से सहजतापूर्वक प्रभावित होने वाले प्राणी हैं। आप निश्चित रूप से अपने जीवन में कोई जीवन संगी (प्रेमिका) अवश्य बनाएंगे। कुंभ राशीय प्रभाव से आपका वैचारिक मतैक्यता उनसे हो सकती है जिनका जन्म मिथुन अथवा तुला लग्न में जन्म हुआ हो।

एक बार आपका वैवाहिक जीवन सुव्यवस्थित एवं प्रतिबंधित हो जाना संभाव्य है। आप प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन बिता सकेंगे। आप अपनी पत्नी एवं अपने प्यारी संतान से युक्त होकर आपकी इच्छा का विस्तार होगा तथा अपने कार्य प्रणाली एवं उद्देश्य के अनुसार आपका नाम और आपकी प्रसिद्धि मिलेगी। आप सर्वथा पूर्ण निर्मित एवं व्यवस्थित भवन प्राप्त कर सकेंगे।

आप एक सामाजिक प्राणी हैं तथा यदा कदा अपने मित्रों को आमंत्रित कर अपने घर पर बुलाना पसंद करते हैं।

आपका स्वास्थ्य स्पष्ट रूप से अच्छा रहेगा परंतु कतिपय संभावित रोगादि की संभावनाओं के विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाना उत्तम होगा। कालांतर में रोगादि से प्रभावित होने की अशुभ संकट की आशंका है। आपके समक्ष हृदय की धड़कन, आंत्र शोथ एवं हार्नियां रोगादि की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए अंकों में अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक अनुकूल प्रतीत होता है। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग उत्तम है। परंतु रंग नारंगी, हरा एवं नीला रंग आपके हित त्याज्य एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल एवं अत्यधिक लाभकारी दिन बुधवार शनिवार एवं शुक्रवार का दिन हैं। शेष रविवार, मंगलवार, एवं सोमवार का दिन आपके लिए बाधित एवं प्रतिकूल दिन हैं।

Ms.

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगी।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाली हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करती हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगी। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगी तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगी तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं

चलेंगी। आपको एक स्थान से अन्य भीड़ भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करती हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

अपने समझदार पति एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पति एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपने जीवन संगी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगी। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य पुरुष को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपने पति को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहती हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगी। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सकी तो आपको अपनी वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगी तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगी। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति की महिला हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखती तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगी। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सकी तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकती हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार,

शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

अंक ज्योतिष फल

Uma Tiwari

आपका जन्म दिनांक 14 है। एक एवं चार के योग से आपका मूलांक 5 होता है। मूलांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह है। एक अंक का सूर्य तथा चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु तथा पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह है। इन सभी ग्रहों का न्यूनाधिक मात्रा में आपके ऊपर प्रभाव रहेगा। मूलांक स्वामी बुध के प्रभावश आप नौकरी की अपेक्षा व्यापार मार्ग का चुनाव करना अधिक पसन्द करेंगे। रोजगार आप ऐसा चुनेंगे, जहाँ लेखा, लेन-देन, वाणिज्य, यांत्रिकी जैसे कार्य संपादित हों। फैक्ट्री, कम्पनी, उच्च व्यापार जगत आपको रास आयेगा।

बुध वाणी का दाता है। सूर्य प्रसिद्धि का, हर्षल परिवर्तन का। अतः आपके अंन्दर वाक् पटुता, बुद्धि-विवेक अच्छा रहेगा एवं आपकी सामाजिक स्थिति भी अच्छी रहेगी। मूलांक के प्रभाव से आपकी आर्थिक, सामाजिक स्थितियाँ परिवर्तनशील रहेंगी एवं परिवर्तन करते रहना आपको अच्छा लगेगा।

परिवर्तनशील गुण होने से आपके विचारों में समयानुसार, अवस्थानुसार बदलाव आता रहेगा। जो कि आपकी अन्तिम अवस्था तक चलेगा। इस क्रिया का अन्त में आपको लाभ अच्छा मिलेगा और आपका यश, नाम इत्यादि दीर्घकाल तक याद किया जाता रहेगा। आप अपनी कमियों का निरन्तर निरीक्षण करते रहेंगे तो निश्चित ही आप उक्त ग्रहों के प्रभाववश एक सफल व्यक्तित्व के धनी हो जायेंगे।

Ms.

आपका जन्म दिनांक चार होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक चार होता है। इसका स्वामी भारतीय मतानुसार राहू एवं पाश्चात्य मतानुसार हर्षल को माना गया है। मूलांक चार के प्रभाववश आप अपने जीवन में सहसा एवं आश्चर्यजनक प्रगति प्राप्त करेंगी। आपके जीवन में कई असंभावित घटनायें भी घटेंगी। एकाध घटनायें ऐसी भी घटित होंगीं जो कि आपका कैरियर बदल देंगी। आप एक संघर्षशील महिला के रूप में जानी जायेंगी तथा आपकी विचार धारा भी आम धारणा से प्रायः अलग होगी। जमाने से आप काफी आगे की सोच रखेंगी तथा अपना विरोध प्रकट करने की आदत के कारण आप अपने आलोचक स्वयं तैयार करेंगी।

पुरानी प्रथाओं, रीतियों की विरोधी रहेंगी तथा उनमें सुधार करने की पूरी कोशिश करेंगी। आप अपने कार्यक्षेत्र में पुरानी प्रथाओं को नवीन रूप में ढालने की भी कोशिश करेंगी। अपने जीवन में आप धन संग्रह अधिक नहीं कर पायेंगी लेकिन नाम, यश अधिक प्राप्त करेंगी। समाज में आमूल-चूल परिवर्तन देखना आपका स्वभाव रहेगा। यदि आप अपनी संघर्ष करने की प्रवृत्ति पर अंकुश रखकर सहनशील तथा सहिष्णु बन सकें और शत्रुता कम पैदा करेंगी तो अपने जीवन में अधिक सफलता अर्जित करेंगी।

आपकी विचार धारा सुधार वाली होने से आप समाज में अच्छी ख्याति प्राप्त करेंगी।

लेकिन यह ख्याति स्थिर नहीं रहेगी कभी तो उच्चता के शिखर पर होगी और कभी मन्द। अतः आपको निरन्तर कार्य में लगे रहना पड़ेगा और नये-नये परिवर्तन, अन्नविष्कारों द्वारा अपना नाम रोशन करते रहना होगा। स्वास्थ्य आपका साधारणतः उत्तम रहेगा, लेकिन कभी-कभी अत्यधिक श्रम एवं मानसिक थकान के कारण सिरदर्द, गर्मी से उत्पन्न रोग, मानसिक तनाव आदि का सामना करना पड़ेगा।

Uma Tiwari

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाले व्यक्ति के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगे। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगे।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगे। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगे। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगे। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगे और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगे जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता है। और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।

Ms.

भाग्यांक 6 के स्वामी शुक्र ग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय चौंसठ कलाओ के अन्दर ही होगा। शुक्र कला का दाता है। अतः आपके अन्दर ललित कलाओं में से कुछ कलाओं का समावेश होगा। आप कला के क्षेत्र में, कला के द्वारा जीवन यापन करेंगी। कलात्मक वस्तुएं आपको लाभ प्रदान करेंगी। आप विपरीत योनि के प्रति सहज आकर्षण के अवगुण वश तन-मन एवं धन का व्यय करेंगी। सौन्दर्य की ओर आकर्षण आपकी कमजोरी रहेगा।

आपके कार्य करने के स्थान तथा रहने के स्थान की साज-सजावट बनाये रखने में आपको हमेशा धन व्यय करते रहना होगा। क्योंकि सुसज्जित परिवेश में रहना आपके मनोनुकूल है। आप वस्त्र आभूषण की शौकीन रहेंगी। धन स्थिति आपकी ठीक रहेगी। शान-शौकत बनी रहेगी। सामने वाले व्यक्ति आपको हमेशा धनी समझते रहेंगे, भले ही आप यदा-कदा कड़की के दिनों में चल रही हों। किसी भी कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार का क्षेत्र चुनती हैं, तो आपकी उन्नति निश्चित ही होगी।